DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

7 दिसंबर, 2022

ई-संजीवनी टेली-परामर्श सेवाएं

❖ सन्दर्भ

➢ हाल ही में, भारत सरकार की मुफ्त टेलीमेडिसिन सेवा ई-संजीवनी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। ई-संजीवनी ने 8 करोड़ टेली-परामर्शों को पूरा करके एक और आश्चर्यजनक मील का पत्थर स्थापित किया है।

प्रमुख बिंदु :-

● 3 वर्षों से भी कम समय में, इस पहल ने दुनिया के सबसे बड़े सरकारी स्वामित्व वाले टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म होने का गौरव प्राप्त किया है।

● इस पहल की सहायता से अब आम नागरिक भी देश के बड़े डॉक्टरों से सलाह ले सकेंगे।

● सरकार आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क को मजबूत कर रही है।

● देश में अब तक एक लाख 17 हजार से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर चालू हो चुके हैं।

● eSanjeevani आयुष्मान भारत डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (ABDM) का एक सम्मिलित हिस्सा है, और eSanjeevani एप्लिकेशन के माध्यम से 45,000 से अधिक ABHA आईडी बनाई गई हैं।

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण

● फरवरी 2018 में, भारत सरकार ने 1,50,000 स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (एचडब्ल्यूसी) बनाने की घोषणा की।

● इसे मौजूदा उप केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को आयुष्मान भारत के आधार स्तंभ के रूप में परिवर्तित करके बनाया गया था।

● ये केंद्र व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (सीपीएचसी) प्रदान करेंगे।

● यह मुफ्त आवश्यक दवाओं और नैदानिक सेवाओं सहित मातृ और बाल स्वास्थ्य सेवाओं और गैर-संचारी रोगों दोनों को कवर करने वाले लोगों को सहज तथा सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेगा।

● प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा कई रोगों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

● प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने से रुग्णता और मृत्यु दर में व्यापक कमी आती है तथा लोगों के स्वास्थ्य व्यय में गिरावट होती है। इसके साथ ही माध्यमिक और तृतीयक देखभाल की आवश्यकता में भी कमी आती है।

ई-संजीवनी टेली-परामर्श सेवाओं के बारे में

● eSanjeevani को सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (C-DAC) की मोहाली शाखा द्वारा विकसित किया गया है।

● स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने ई-संजीवनी के दो संस्करण लॉन्च किए हैं

- हब एंड स्पोक मॉडल में डॉक्टर से डॉक्टर (eSanjeevani AB-HWC)।
- रोगी से डॉक्टर (eSanjeevaniOPD).

● ई-संजीवनी एबी-एचडब्ल्यूसी

- इसे आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (AB-HWC) के तहत लागू किया जा रहा है।
- इसका उद्देश्य 'हब एंड स्पोक' मॉडल में चिन्हित मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के संयोजन के साथ सभी 1.5 लाख स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों में टेली-परामर्श को लागू करना है।
- राज्यों ने टेली-परामर्श सेवा प्रदान करने के लिए मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में समर्पित 'हब' की पहचान और स्थापना की है

● ई-संजीवनी ओपीडी

- इसे अप्रैल 2020 में COVID-19 महामारी के कारण रोगी-से-डॉक्टर टेलीमेडिसिन को सक्षम करने के लिए लॉन्च किया गया था।
- यह वास्तविक समय में होने वाली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मरीजों और डॉक्टरों और विशेषज्ञों के बीच भौगोलिक रूप से अलग-अलग स्थानों से आभासी बैठकों को सक्षम बनाता है।

● इस मंच के उपयोग के लिए अग्रणी राज्य हैं: आंध्र प्रदेश> पश्चिम बंगाल> कर्नाटक> तमिलनाडु> महाराष्ट्र।

स्पंज विरंजन घटना

❖ प्रसंग

➢ इस वर्ष के आरम्भ में न्यूजीलैंड के दक्षिणी तटरेखा के पास अब तक की सबसे बड़ी स्पंज ब्लीचिंग घटना दर्ज की गई है।

प्रमुख बिंदु

● कप स्पंज सिम्बस्टेला लैमेलाटा प्रजाति ,

स्पंज विरंजन

- कोरल की तरह, स्पंज में सहजीवी जीव होते हैं जो उनके अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण होते हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

दीर्घकालिक समुद्री गर्मी से प्रभावित थी, इस स्थिति में इसने सामान्य रूप से गहरे भूरे रंग के लाखों स्पंजों को चमकीले सफेद रंग में परिवर्तित कर दिया था।

- न्यूज़ीलैंड के उत्तरी तटरेखा के पार अन्य स्पंज प्रजातियों के ऊतक हानि, क्षय और मृत्यु की भी सूचना प्राप्त हुई थी।

स्पंज के बारे में

- सम्पूर्ण विश्व के चट्टानों पर स्पंज सबसे प्राचीन और प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले प्रजातियों में से हैं।
- न्यूज़ीलैंड में, वे उपलब्ध समुद्री तल के 70% भाग पर काबिज हो जाते हैं। यह वृद्धि विशेष रूप से 30-150 मीटर की गहराई पर तथाकथित मेसोफोटिक पारिस्थितिक तंत्र में दिखती है।
- वे कई महत्वपूर्ण पारिस्थितिक कार्य करते हैं
  - बड़ी मात्रा में जल का शुद्धिकरण करते हैं
  - छोटे खाद्य कणों को प्रतिबंधित करते हैं।
  - ये कार्बन को पानी के स्तंभ से समुद्र तल में ले जाते हैं ; जहां कार्बन को समुद्र तल में नीचे रहने वाले अकशेरूकीय द्वारा खाया जा सकता है।
  - समुद्र तल में त्रि-आयामी जटिलता जोड़ते हैं ; जो कई अन्य प्रजातियों यथा केकड़ों, झींगा और स्टारफिश के लिए आवास प्रदान करता है।
- Cymbastella lamellata इस मायने में असामान्य है क्योंकि यह डायटम, छोटे एकल-कोशिका वाले प्रकाश संश्लेषक पौधों की घनी आबादी को होस्ट करता है जो स्पंज को उसका भूरा रंग देते हैं।
- ये डायटम स्पंज ऊतक के भीतर रहते हैं, सुरक्षा के लिए भोजन का आदान-प्रदान करते हैं।
- जब स्पंज ब्लीच करता है, तो यह डायटम को बाहर निकाल देता है, जिससे स्पंज का कंकाल खुला रह जाता है
- स्पंज में ऊतक हानि तब होती है जब स्पंज तनावग्रस्त होते हैं। यह उन स्थितियों में भी हो सकता है जब स्पंज को कोशिका की मरम्मत में अधिक ऊर्जा का निवेश करना पड़ता है अथवा जब उनका भोजन स्रोत समाप्त हो जाता है और वे शरीर की मात्रा कम करने तथा संसाधनों को पुनः आवंटित करने के लिए अपने स्वयं के ऊतक को पुन: अवशोषित कर लेते हैं।
- दूसरी ओर ऊतक क्षय या परिगलन आम तौर पर स्पंज के भीतर रहने वाले माइक्रोबियल समुदायों में परिवर्तन और रोगजनक बैक्टीरिया के विकास से जुड़ा होता है।

समुद्री हीट वेव

- समुद्री गर्मी की लहरों को गर्म होने की असामान्य अवधि के रूप में परिभाषित किया जाता है जो लगातार पांच दिनों या उससे अधिक समय तक रहता है।
- यह कुछ हफ्तों से लेकर कई महीनों तक रह सकता हैं तथा सैकड़ों या हजारों किलोमीटर की तटरेखा तक फैल सकते हैं।
- न्यूज़ीलैंड में स्पंज विरंजन और ऊतक हानि या क्षय 2021/2022 की गर्मियों के दौरान न्यूज़ीलैंड के उत्तर और दक्षिण में समुद्री हीटवेव की अवधि और तीव्रता से मेल खाते हैं।
- हॉराकी खाड़ी, जहां स्पंज नेक्रोसिस और क्षय की सूचना मिली थी, में नवंबर 2021 से मई 2022 के अंत तक निरंतर 29 सप्ताह से समुद्री हीट वेव से प्रभावित थी।ध्यातव्य है कि इसकी अधिकतम तीव्रता सामान्य तापमान से 3.77 °C अधिक थी।
- ये अत्यधिक गर्मी की घटनाएं हवा और समुद्र, हवा के पैटर्न और महासागर धाराओं के बीच ताप विनिमय में परिवर्तन के एक संयोजन के परिणामस्वरूप हो सकती हैं।
- इनकी तीव्रता एल नीनो सदर्न ऑसिलेशन (ईएनएसओ) जैसे बड़े पैमाने के जलवायु पैटर्न से भी प्रभावित होती है।

संक्षिप्त सुर्खियां

मौद्रिक नीति समिति

❖ प्रसंग

➢ हाल ही में, आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने तत्काल प्रभाव से रेपो दर को 35 आधार अंकों (बीपीएस) से बढ़ाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया।

❖ मुख्य विशेषताएं

➢ आरबीआई की नीति दर अब अगस्त 2018 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर है।

➢ चालू वित्त वर्ष (FY23) के लिए RBI ने 6.8 प्रतिशत का सकल घरेलू उत्पाद विकास पूर्वानुमान निर्धारित किया है

➢ वित्त वर्ष 2022-23 के लिए आरबीआई ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

❖ मौद्रिक नीति समिति के विषय में

➢ आरबीआई (संशोधन) अधिनियम, 1934 की धारा 45जेडबी के अंतर्गत , केंद्र सरकार को छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) गठित करने का अधिकार है।

➢ इस तरह की पहली एमपीसी का गठन 29 सितंबर, 2016 को किया गया था।

➢ कार्य :-यह मुद्रास्फीति लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक नीतिगत ब्याज दर निर्धारित करता है। इसके निर्णय बहुमत से लिए जाते हैं और मत बराबर होने की स्थिति में आरबीआई गवर्नर निर्णायक मत रखते हैं.

> मौद्रिक नीति समिति का निर्णय बैंको पर बाध्यकारी होता है ।

➢ संरचना

■ इसमें अध्यक्ष सहित छह सदस्य होते हैं। जो निम्नवत हैं -

- आरबीआई गवर्नर इसके पदेन अध्यक्ष के रूप में
- मौद्रिक नीति के प्रभारी उप गवर्नर
- केंद्रीय बोर्ड द्वारा नामित बैंक का एक अधिकारी
- केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाने वाले तीन व्यक्ति।

जी 7

❖ सन्दर्भ

➢ हाल ही में, सात के समूह (G7), यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलियाई प्रस्ताव के बाद रूसी समुद्री तेल पर मूल्य कैप लगाने से तेल की कीमतों में वृद्धि हुई है।

❖ G7 के बारे में

➢ G7 (सात का समूह) दुनिया की सात सबसे बड़ी तथाकथित "उन्नत" अर्थव्यवस्थाओं का एक संगठन है।

➢ वे वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली पर हावी हैं।

➢ इसके सदस्य सामूहिक रूप से वैश्विक जीडीपी के 40% और वैश्विक जनसँख्या के 10% का प्रतिनिधित्व करते हैं।

➢ इसके सदस्य देशो में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूके और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं।

➢ ध्यातव्य है कि इस समूह में 1998 में रूस को सम्मिलित कर G8 बनाया गया था , लेकिन 2014 में रूस द्वारा क्रीमिया के अधिग्रहण के बाद उसे बाहर कर दिया गया ।

» यूरोपीय संघ G7 का सदस्य नहीं है, लेकिन वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेता है।

> G7 का कोई कानूनी अस्तित्व, स्थायी सचिवालय या आधिकारिक सदस्य नहीं है।

➢ इसका नीति पर कोई बाध्यकारी प्रभाव नहीं है और G7 बैठकों में किए गए सभी निर्णयों और प्रतिबद्धताओं को सदस्य राज्यों के शासी निकायों द्वारा स्वतंत्र रूप से अनुमोदित करने की आवश्यकता है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

7 दिसंबर, 2022

सामाजिक शत्रुता सूचकांक (SHI)

❖ सन्दर्भ :-

➢ 10 में से 9.4 अंक के सर्वाधिक अंक के साथ , 2020 में भारत की सामाजिक शत्रुता सूचकांक (SHI) में स्थिति पड़ोसी पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भी ख़राब हो गई है।

❖ मुख्य बिंदु

➢ भारत उन चुनिंदा देशों में सम्मिलित था, जहाँ 2020 में कोविड-19 महामारी के शुरुआती चरणों में धार्मिक शत्रुता देखी थी।

➢ सबसे अधिक आबादी वाले देशों यथा भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, मिस्र और बांग्लादेश में, धर्म से जुड़ी सामाजिक शत्रुताएँ "बहुत अधिक" पायी गईं।

➢ हालाँकि भारत ने एक दूसरे सूचकांक: सरकारी प्रतिबंध सूचकांक (जीआरआई) में बेहतर प्रदर्शन किया है।

■ यह सूचकांक धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं को प्रतिबंधित करने वाले कानूनों, नीतियों और राज्य की कार्रवाइयों का अवलोकन करता है।
चीन जीआरआई में 9.3 के स्कोर के साथ सबसे निम्नतम स्थान पर है। ऐसे सरकारी प्रतिबंधों के "उच्च" स्तर वाले देशों के बीच भारत की 34 वीं रैंक इसे वर्गीकृत करने के लिए पर्याप्त है।

❖ एसएचआई के बारे में

➢ इसे यूएस थिंक-टैंक प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा जारी किया जा रहा है।
> रिपोर्ट में 198 देशों को शामिल किया गया।

➢ SHI निजी व्यक्तियों, संगठनों या समूहों द्वारा धार्मिक शत्रुता के कार्यों का मापन करता है।

➢ इस सूचकांक में 13 आधार सम्मिलित हैं, जिनमें धर्म से संबंधित सशस्त्र संघर्ष या आतंकवाद और भीड़ द्वारा हिंसा अथवा सांप्रदायिक हिंसा भी है।

स्क्वायर किलोमीटर ऐरे

❖ **सन्दर्भ**

> 30 वर्ष की लम्बी तैयारी के बाद दुनिया के सबसे बड़े रेडियो टेलीस्कोप का निर्माण शुरू हुआ।

❖ **पृष्ठभूमि**

➢ ऑप्टिकल टेलीस्कोप के विपरीत, रेडियो टेलीस्कोप अदृश्य गैस का पता लगा सकते हैं और इसलिए, वे अंतरिक्ष के उन क्षेत्रों को प्रकट कर सकते हैं जो ब्रह्मांडीय धूल से अस्पष्ट हो जाते हैं।

➢ 1930 के दशक में भौतिक विज्ञानी कार्ल जान्स्की द्वारा पहले रेडियो संकेतों का पता लगाया गया था।

➢ प्यूर्टोरिको में अरेसीबो टेलीस्कोप, जो 1963 में निर्मित दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सिंगल-डिश रेडियो टेलीस्कोप था, जो दिसंबर 2020 में खत्म (ख़राब) हो गया था।

➢ यह दक्षिण अफ्रीका के उत्तरी केप शुष्क कारू क्षेत्र और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के इन्यारिमान्हा इल्गारी बुंदारा - क्रमशः एसकेए-मिड और एसकेए-लो कहे जाने वाले सुदूर स्थलों पर स्थित होगा।

➢ SKA-मिड 350 मेगाहर्ट्ज और 15.4 गीगाहर्ट्ज़ के बीच फ्रीक्वेंसी ग्रहण करेगा। दक्षिण अफ्रीका का 64-डिश मीरकैट टेलीस्कोप पहले से ही साइट पर मौजूद है, तथा इसे एसकेए-मिड की श्रेणी

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

शामिल किया जाएगा।

- एसकेए-लो 50 मेगाहर्ट्ज़ और 350 मेगाहर्ट्ज़ के बीच आवृत्तियों का पता लगाएगा। 'इन्यारिमान्हा इल्गारी बुंदारा', यह नाम भूमि के पारंपरिक मालिकों, वजरीरी यामाजी द्वारा चुना गया है, जिसका अर्थ है 'आकाश और सितारों को साझा करना'।
- दोनों इंटरफेरोमीटर हैं, जिसमें कई डिश-आकार के एंटेना एक साथ एक टेलीस्कोप के रूप में कार्य करते हैं।
- इसकी स्थापना को 2021 में एसकेएओ (स्क्वायर किलोमीटर ऐरे ऑब्जर्वेटरी) परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया था। संचालन, रखरखाव और निर्माण की निगरानी एसकेएओ द्वारा की जाएगी।

❖ SKAO के बारे में

➢ SKAO एक नया अंतर-सरकारी संगठन है जो रेडियो खगोल विज्ञान को समर्पित है और इसका मुख्यालय यूके में है।

➢ फिलहाल, दस देशों के संगठन एसकेएओ का हिस्सा हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, भारत, इटली, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, स्वीडन, नीदरलैंड और यूके शामिल हैं।

चक्रवात मंडौस

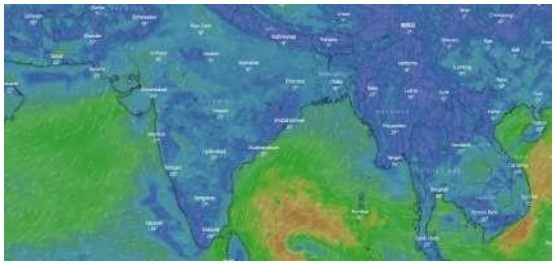

❖ सन्दर्भ

➢ भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के नवीनतम चक्रवात रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना है।

❖ मुख्य बिंदु

➢ कमजोर रूप से चल रही तूफान प्रणाली बाद में बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में एक चक्रवात के रूप में मजबूत हो सकती है तथा यह तमिलनाडु और पुडुचेरी तटों की ओर बढ़ सकती है।

➢ यह धीमी गति से चलने वाला चक्रवात है। धीमी गति से चलने वाले चक्रवात अक्सर बहुत अधिक नमी को अवशोषित करते हैं, भारी मात्रा में वर्षा करते हैं और हवा की गति के रूप में शक्ति प्राप्त करते हैं।

➢ इसकी सुस्त गति का कारण थाईलैंड और दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक उच्च दबाव प्रणाली हो सकती है जिसने चक्रवाती प्रणाली के स्टीयरिंग वातावरण में बदलाव किया है।

➢ चक्रवात के चारों ओर की हवाओं द्वारा स्टीयरिंग वातावरण का गठन किया जाता है जो इसके चलने में मदद करता है और इसकी गहनता या तीव्रता कम करने में सहायता करता है।

➢ 'मंडौस' नाम संयुक्त अरब अमीरात द्वारा सुझाया गया है।

ChatGPT (चैटजीपीटी)

➢ **❖ सन्दर्भ**

➢ ➢ हाल ही में एक नया एआई चैटबॉट वायरल हो गया है क्योंकि इसके द्वारा दी गई प्रतिक्रियाओं को दैनिक सांसारिक लेखन के प्रतिस्थापन के रूप में देखा जा रहा है।

➢ **❖ मुख्य बिंदु**

➢ चैटजीपीटी ओपनएआई द्वारा निर्मित किया गया एक 'संवादात्मक' एआई है।

➢ इसे टेक्स्ट के बड़े डेटासेट पर अगले शब्द की भविष्यवाणी करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है

और यह कविता, लेख, किताबें, ट्वीट और कोड लिख सकता है।

- यह अनुवर्ती प्रश्नों का उत्तर भी दे सकता है, अपनी गलतियों को स्वीकार कर सकता है, गलत शब्दों को चुनौती दे सकता है और अनुचित अनुरोधों को अस्वीकार कर सकता है।
- यह कंपनी की भाषा सीखने के मॉडल (एलएलएम) की जीपीटी 3.5 श्रृंखला पर आधारित है।
- जीपीटी जनरेटिव प्री-प्रशिक्षित ट्रांसफार्मर 3 से सम्बंधित है। यह एक प्रकार का कंप्यूटर भाषा मॉडल है जो इनपुट के आधार पर मानव के समान टेक्स्ट का निर्माण करने के लिए गहन शिक्षण तकनीकों पर आधारित है।
- इसे "रीनफोर्समेंट लर्निंग फ्रॉम ह्यूमन फीडबैक" (आरएलएचएफ) का उपयोग करके भी प्रशिक्षित किया गया था।
- OpenAI एक गैर-लाभकारी AI अनुसंधान कंपनी है, जिसका DALL-E AI टेक्स्ट विवरण से चित्र उत्पन्न कर सकता है।

विदेशी मुद्रा लेन-देन के लिए समान बैंकिंग कोड

❖ प्रसंग

➢ दिल्ली उच्च न्यायालय ने विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए एक समान बैंकिंग कोड को लागू करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग करने वाली एक याचिका पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से जवाब मांगा है।

❖ मुख्य बिंदु

- याचिका के अनुसार, रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस), नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) और इंस्टेंट मनी पेमेंट सिस्टम (आईएमपीएस) का प्रयोग भारतीय बैंकों में विदेशी धन जमा करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।
- इसके स्थान पर , एक फॉरेन इनवर्ड रेमिटेंस सर्टिफिकेट (FIRC) जारी किया जाना चाहिए।
- सभी अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय बैंकों को एसएमएस के माध्यम से लिंक भेजना होगा जिससे खाते में परिवर्तित INR (रुपये) के रूप में विदेशी मुद्रा जमा होने की स्थिति में स्वचालित रूप से FIRC प्राप्त हो सके।
- जिस तरह वीजा के लिए आप्रवासन नियम सभी विदेशियों के लिए समान हैं, उसी तरह विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए विदेशी बैंक शाखाओं सहित भारतीय बैंकों में जमा विवरण सभी के लिए एक ही प्रारूप में होना चाहिए।
- इनमें चालू खाते में निर्यात भुगतान या बचत खाते में वेतन या चैरिटी के चालू खाते में दान या YouTuber के खातों में सेवा शुल्क भुगतान शामिल हैं।
- हर विदेशी मुद्रा लेनदेन में जमाकर्ताओं का नाम और संख्या, मुद्रा के नाम और विदेशी मुद्रा की सही मात्रा और रूपांतरण दर सम्मिलित होती है।
- याचिका में दावा किया गया है कि यह यूनिफॉर्म बैंकिंग कोड रिश्वतखोरी, काला धन, बेनामी लेनदेन, कर चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग, मुनाफाखोरी, अनाज की जमाखोरी, खाद्य अपमिश्रण, मानव तस्करी, नशीली दवाओं की तस्करी, कालाबाजारी, धोखाधड़ी को नियंत्रित करेगा।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com